

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
 पूरक परीक्षा—जुलाई, 2015
 अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
 कूटबंध सं. 2/1, 2/2, 2/3
 कक्षा XII

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/ मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
1	1 क	2 क	1 क	<ul style="list-style-type: none"> स्वार्थ और संघर्ष (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।) झूठी बातों को सुन कर भी कुछ नहीं कर सकना। क्योंकि कुछ कहने और विरोध करने पर सच बोलने वाले के विरोध में वातावरण तैयार करना। 	15 1
	ख	ख	ख		1+1
	ग	ग	ग		1+1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> समाचार के तीव्र साधनों की सबलता। धैर्य, शांति का अभाव। विरोध करने में अक्षम। कूटनीति, दंगा-फसाद को देख कर चुप रहना खतरनाक। जब हम अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझते। 	2



	ड	ड	ड	<ul style="list-style-type: none"> ● भारत वर्ष की आत्मा कभी किसी दंगा-फसाद और टंटे को पसंद नहीं करती। ● अन्याय का विरोध, सच्चाई और भद्रता पर दृढ़ता। 	2
	च	च	च	<ul style="list-style-type: none"> ● संघर्ष से बदलाव संभव। ● स्वार्थी व्यक्तियों से संघर्ष कर आम आदमी को हक दिलाना। 	1+1=2
	छ	छ	छ	<ul style="list-style-type: none"> ● ध्यानस्थ रहकर अपने आराध्य का नाम लेना। ● लगातार नाम (आराध्य, ब्रह्म) का जाप करना। 	2
	ज	ज	ज	<ul style="list-style-type: none"> ● जीवन और मरण — द्वंद्व समास। 	1
	झ	झ	झ	<ul style="list-style-type: none"> ● भले आदमी की यह चाल है कि झूठी बातों को सुनकर चुप रह जाए। (अन्य उचित उत्तर अपेक्षित) 	1
2	2	1	2	<ul style="list-style-type: none"> ● निर्झर की तरह सतत प्रवाहमान है। 	1
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● मस्ती और गतिवान ● सुख-दुख, उतार-चढ़ाव 	1



	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● कठिनाइयों और संघर्षों के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना। 	1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● जीवन में सामर्थ्य और पुरुषार्थ ही आगे बढ़ता है। 	1
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> ● जीवन आगे बढ़ने का नाम। ● सुख-दुख जीवन की सौगात। ● संघर्ष और पुरुषार्थ के साथ आगे बढ़ना। 	1
3	3	3	3	<p style="text-align: center;">खंड-ख</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भूमिका -1 ● विषय वस्तु -3 ● भाषा -1 	5
4	4	4	4	<ul style="list-style-type: none"> ● आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ -1 ● विषय वस्तु - 3 ● भाषा -1 	5
5	5	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ● कार्टून द्वारा सरकार तथा तत्कालीन व्यवस्था पर व्यंग्य। ● सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्रों में होने वाले कामकाज पर निगाह रखना तथा किसी भी तरह की धांधली का पर्दाफाश करना। 	1×5=5 1 1



	ग	—	—	<ul style="list-style-type: none"> पूर्णकालिक अंशकालिक फ्रीलांसर (कोई दो) 	1
	घ	—	—	<ul style="list-style-type: none"> घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को दिखा कर खबरों को पुष्ट करना। 	1
	ङ	—	—	<ul style="list-style-type: none"> सनसनीखेज़ एवं किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के मान-हनन के लिए की जाने वाली पत्रकारिता। 	1
	—	5	—	<ul style="list-style-type: none"> घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को दिखाकर खबरों को पुष्ट करना। 	1
	—	क	—		
	—	ख	—	<ul style="list-style-type: none"> सरल एवं सहज। आम जनता की भाषाओं के करीब। 	1
	—	ग	—	<ul style="list-style-type: none"> घटनास्थल पर जाकर जानकारी प्राप्त कर समाचार का संकलन करना तथा अखबार को भेजना। 	1
	—	घ	—	<ul style="list-style-type: none"> उदंत मार्तण्ड 	1
	—	ङ	—	<ul style="list-style-type: none"> प्रसार भारती 	1
	—	—	(5) (क)	<ul style="list-style-type: none"> संपादन प्रकाशन 	1



	—	—	ख	<ul style="list-style-type: none"> दादा साहेब फाल्के 	1
			ग	<ul style="list-style-type: none"> 1556 में गोवा में 	1
			घ	<ul style="list-style-type: none"> जिन सूचनाओं या घटनाओं को छिपाने या दबाने का प्रयास किया जाता है उसे गहराई से छान बीन कर उजागर करना। 	1
			ङ	<ul style="list-style-type: none"> मुख्य समाचार को। 	1
6	6	6	6	<ul style="list-style-type: none"> विषय वस्तु— 2 प्रस्तुति — 2 भाषा — 1 	5
7	7	7	7	<ul style="list-style-type: none"> विषय वस्तु — 3 प्रभावी प्रस्तुति — 1 भाषा — 1 	5
8	8	9	8	<p style="text-align: center;"><u>खंड—ग</u></p> <ul style="list-style-type: none"> घर पहुँचने में देर न हो जाए। क्योंकि बच्चे राह देख रहे होंगे। उनसे मिलने की बेचैनी। 	2×4=8
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> अपने माता—पिता की प्रतीक्षा में। भोजन करने की आशा में। उनसे मिलने की बेचैनी में। 	



	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● रास्ते में कोई व्यवधान न हो जाए। ● समय का तेजी से बीतना। ● मंजिल मिलने में देर न हो।
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● अपने बच्चे को याद कर। ● अपने घोंसले में जल्दी से जल्दी पहुँचने की इच्छा के कारण।
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	<p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● धनी वर्ग को। ● शोषण करने वाले को। ● ऊँचे-ऊँचे घरों में रहने वाले लोगों को।
	ख ग	ख ग	ख ग	<ul style="list-style-type: none"> ● पंक-कीचड़ , शोषित वर्ग जलज-कमल , शोषक वर्ग। ● सामाजिक परिवर्तन शोषित वर्ग द्वारा आंदोलन से होता है। ● अत्याचार ,अन्याय तथा हिंसा का शिकार भी शोषित वर्ग ही होता है।
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● शिशु। ● कठिनाइयों में भी शिशु अनजान बन मुस्कुराता है। ● शोषित वर्ग भी कठिनाइयों में मुस्कुराता है।



9	9 क	8 क	9 क	<ul style="list-style-type: none"> ● लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो। ● गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो। 	2×3=6
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● सूर्योदय से पहले के प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण। ● गतिशील शब्द-चित्र। ● आलंकारिक वर्णन। ● बोलचाल की हिन्दी भाषा। 	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● सूर्योदय होने के दृश्य का वर्णन। ● सूर्य ऐसे निकल रहा है जैसे किसी ने काली सिल को केसर से धो दिया है। या किसी ने काली सिल पर लाल खड़िया मल दी हो। ● नीले आकाश से सूर्य ऐसे उदित हो रहा है जैसे कोई गौर वर्णीय युवती नीले जल से बाहर आ रही हो। 	
	क	क	क	<p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● खरगोश की आँखों से ● चमकीली साइकिल से ● ये दोनों अपनी <u>सुंदरता/आकर्षण</u> से किसी को भी आकर्षित कर लेते हैं। 	
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● मानवीकरण। 	



				<ul style="list-style-type: none"> ● शरद ऋतु डाकिये के समान साइकिल पर सवार घंटी बजाते हुए पुलों को पार करते हुए उत्साह के साथ आ रही है। ● बिंबों के माध्यम से सौंदर्य और अनुभूति का सहज प्रकटीकरण। ● चित्र-बिंब। ● ध्वनि-बिंब। ● गतिशील बिंब। 	
10	ग 10 क	ग 10 क	ग 10 क	<ul style="list-style-type: none"> ● कविता में कल्पना द्वारा उड़ने की सीमा नहीं होती है वैसे ही बच्चों की कल्पना की भी कोई सीमा नहीं होती। ● दोनों कल्पना द्वारा कहीं भी किसी समय जा सकते हैं। ● संवेदनशील रह कर व्यक्ति को वस्तु के रूप में प्रयोग का विरोध। ● बाजार का मुनाफ़े से मतलब लाभ कमाना। ● बाजार के पास संवेदना नहीं। 	3+3=6
	ख ग	ख ग	ख ग	<ul style="list-style-type: none"> ● प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण। ● पक्षी और प्रकृति की सुंदरता की अनुभूति की अभिव्यक्ति। ● कवि की भावनाओं का सुंदरता में विलय। 	



11	11 क	12 क	11 क	<ul style="list-style-type: none"> ● अभिजात वर्ग को। ● संसार का वैभव, वस्तु प्राप्त कर भी अतृप्ति। ● संचय की तृष्णा। 	2×4=8
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● संचय की तृष्णा। ● वैभव की चाह। ● धन की ओर झुकाव। ● संतोष न होना—अबलता। 	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● जिस व्यक्ति में आत्मिक शक्ति का अभाव होता है, वह निर्बल है और वही संतोष के अभाव में धन की ओर झुकता है। 	
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● लालची और अतृप्त होना। ● सब कुछ प्राप्त करने की चाह। ● आवश्यकता से अधिक प्राप्त करने की इच्छा। 	
	क	क	क	<p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ● विमाता भक्तिन से ईर्ष्या करती थी। ● उसे भय था कि उसका पति संपत्ति में से भक्तिन को कुछ न कुछ देगा। 	
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● पिता की मृत्यु की सूचना छिपा कर मायके भेजना। ● पहना—ओढ़ा कर तैयार कर उत्साह से भेजना। 	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● सास द्वारा मायके भेजने पर उत्साहित, खुशी, पिता की 	



				<p>मृत्यु की सूचना नहीं।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● गाँव पहुँचते ही लोगों द्वारा सहानुभूति के स्वर सुन कर दुखी होना, उत्साह ठंडा पड़ जाना। ● पिता की मृत्यु हो गई थी। ● विमाता की सहानुभूति न मिली। ● आदर—सत्कार मायके में न मिलना। ● भक्तिन को उलाहना मिलना। 	
12	घ 12 क	घ 11 क	घ 12 क	<ul style="list-style-type: none"> ● भक्तिन गुण—अवगुण से अछूती नहीं। ● सरल स्वभाव, मेहनती, दृढ़ता। ● पैसे को ऐसे सँभालती कि ऐसी विशेषता दुर्लभ। ● लेखिका के लिए झूठ बोलने से परहेज नहीं, देहातिन की तरह रहना आदि। (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य) 	3×4=12
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● बाजार उसके लिए सार्थक जो क्या खरीदना है, वह जानता है। ● खरीदने वालों की चाहत से ही बाजार की उपयोगितां ● पर्चेजिंग पावर वाले बाजार के महत्व का सत्यानाश कर, उसे विनाशक बना देते हैं। 	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> ● भारतीय समाज में लोक 	



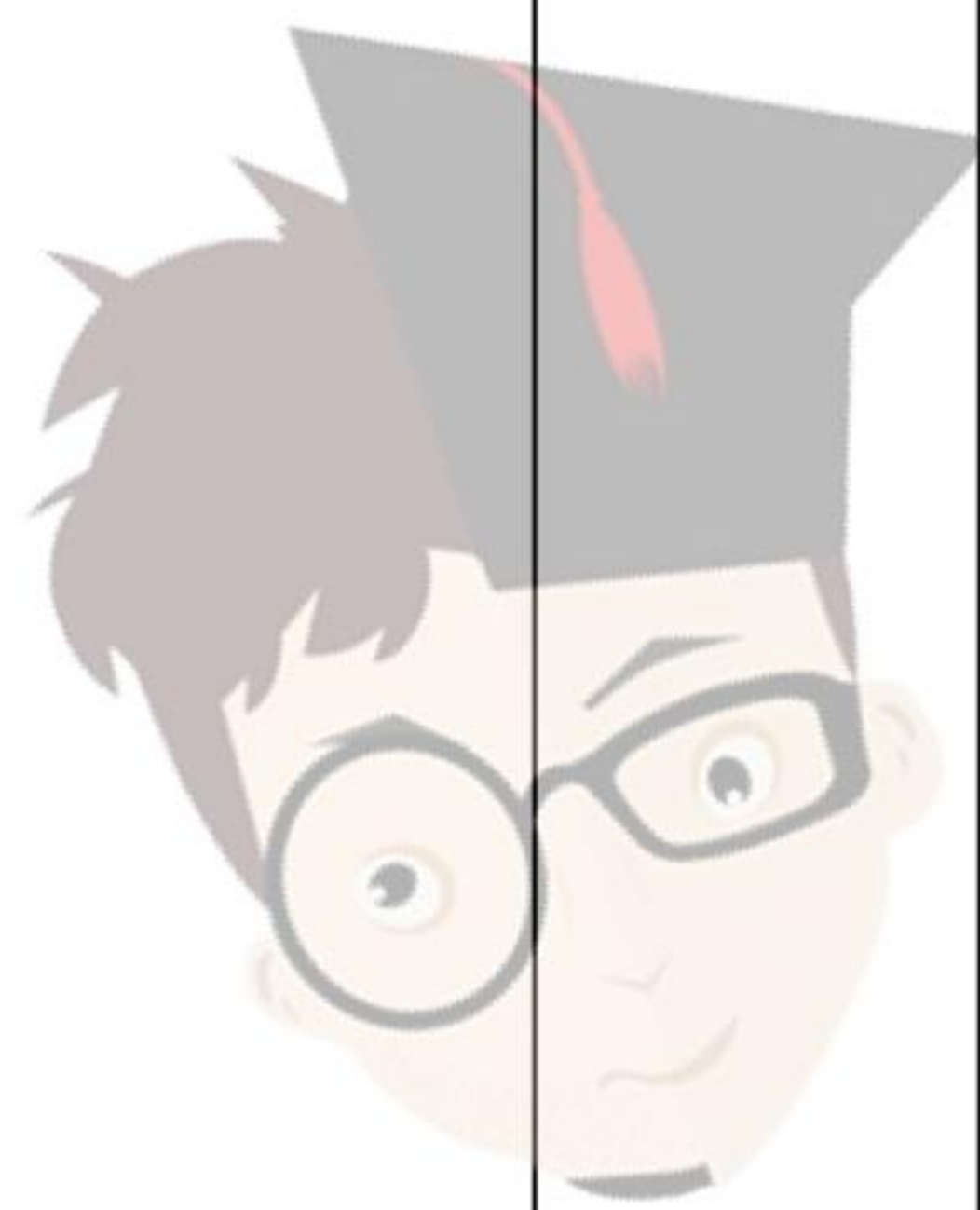
				<p>विश्वास व्याप्त।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● लोक-विश्वास तथा विज्ञान के बीच द्वंद्व। ● विज्ञान द्वारा सुख-सुविधा की चाहत, विज्ञान के सिद्धांतों को आत्मसात नहीं करना। ● सांस्कृतिक एवं पारंपरिक मूल्यों की अवहेलना। ● लेखक विज्ञान के साथ जबकि जीजी लोक-विश्वास के साथ। 	
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> ● श्याम नगर दंगल में जब चाँद सिंह को पछाड़ा। ● राजा साहेब द्वारा पुरस्कार तथा राज-दरबार का पहलवान घोषित। ● चारों तरफ चर्चा। 	
	ड	ड	ड	<ul style="list-style-type: none"> ● विस्थापन का दर्द जीवन भर चलता है। ● राजनीतिक रेखाओं को भावनाएँ स्वीकार नहीं करतीं। ● यथार्थ परिस्थितिवश आरोपित। ● पुरानी जगहों से लगाव। 	
13	13	—	—	<ul style="list-style-type: none"> ● कथन के अनुकूल तथा प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में बच्चों के मौलिक चिंतन एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन। 	5



	—	13	—	<ul style="list-style-type: none"> ● समय का पाबंद होना। ● सरल, सहज जीवन, दिखावे से परहेज। ● आदर्श को स्थान देना। (अन्य अपेक्षित बिंदुओं के साथ विद्यार्थियों के चिंतन तथा अभिव्यक्ति अपेक्षित) 	
	—	—	13	<ul style="list-style-type: none"> ● साहस। ● परिश्रम। ● बड़ों का आदर। ● लगन, कर्म के प्रति समर्पण। ● पाठ के संदर्भ में एक-दो उदाहरणों द्वारा स्पष्टीकरण। 	
14	14 क	14 क	14 क	<p>(दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पढ़ाई करने की चाहत। ● घर का कामकाज कर स्कूल जाना। ● परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाना। <p>(पाठ के संदर्भ में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)</p>	2X5=10
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> ● स्त्री का जीवन संघर्षमय। ● पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर संघर्ष। ● नारी बच्चे को जन्म देते समय पीड़ा व कष्ट सहती है। ● पुरुष अपनी शारीरिक क्षमता के कारण स्त्रियों पर शासन। ● स्त्री युद्ध लड़ने वाले सैनिकों से कम नहीं। 	



				<p>(अन्य उपयुक्त बिंदुओं के साथ उत्तर भी स्वीकार्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● यशोधर बाबू आदर्शवादी व्यक्ति ● यशोधर बाबू का चरित्र समय के साथ तालमेल नहीं बिठा पाता। ● बच्चों की सफलता अच्छी भी लगती है और योग्यता पर संदेह भी होता है। ● भाव और विचार में द्वंद्व। ● आधुनिक मूल्यों को अपनाने ओर छोड़ने में भी द्वंद्व दिखाई देता है। 	
--	--	--	--	---	--



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform



